हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 30 अगस्त 2019, बरेली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

Page NO :04 Bottom

फारेंसिक के पास नहीं डीएनए डाटा बैंक

बरेली | कार्यालय संवाददाता

डीआईजी राजेश पांडेय ने कहा कि हाईटेक अपराधियों से निपटने के लिये फारेंसिक विशेषज्ञों के पास डीएनए डाटा बैंक होना बहुत जरूरी है। हर साल सैकड़ों गुमनाम हत्यायें प्रदेश भर में की जाती हैं। उनके कातिलों को पकड़ना तो दूर उनकी पहचान तक नहीं हो पाती है। दरअसल किसी भी फारेंसिक लैब में डीएनए डाटा बैंक नहीं है। लापता और मारे गये लोगों की पहचान की जा सके। इसके अलावा थाने से लेकर फारेंसिक लैब तक विसरा कलेक्ट करने का तरीका अभी काफी खराब है।

डीआईजी एसआरएमएस में आयोजित फारेंसिक वर्कशाप में विशेषज्ञों और छात्रों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हत्या के बाद पोस्टमार्टम में विसरा सुरक्षित रखने के बाद महीनों थाने में पड़े रहते हैं। गर्मी की वजह से आधे विसरा खराब हो जाते हैं। जब तक वह फारेंसिक लैब जाते हैं। उनमें से 70 फीसदी किसी काम के नहीं रहते हैं।

कार्यशाला को यूसीएमएस नई दिल्ली से आए डॉ. सतीश कुमार वर्मा, बांदा से आए डॉ. मुकेश यादव, वर्धा (महाराष्ट्र) से आ, डॉ इन्द्रजीत खान्डेकर ने संबोधित किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. एसबी गुप्ता व सीएमएस डॉ एके गुप्ता एवं आयोजन सचिव डॉ. जसविन्दर सिंह मौजूद रहे।

फारेंसिक एक्सपर्ट ने पुलिस पर उठाये सवाल

बरेली | कार्यालय संवाददाता

डॉ. अशोक चनाना ने राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के तत्वावधान में आयोजित डीएनए कॉन कार्यशाला 2019 में हिस्सा लिया। उनके साथ विभिन्न शहरों से पहुंचे विशेषज्ञों ने अपना रिसर्च पेपर कार्यशाला में पढ़ा। गवरमेंट मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सीकोलॉजी के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. अशोक चनाना ने कहा कि वर्तमान में टेक्नोलॉजी इतनी एडवांस हो चुकी है कि अप्राध करके किसी का बच निकलना इतना आसान नहीं है। जरूरी है कि डीएनए सैंपल को ठीक से एकत्र कर लैब तक सही सलामत पुलिस पहुंचाये।

इराक में डा. चानना ने की थी 39 भारतीयों की पहचान : डॉ. चानना ने कहा कि जब 2017 में इराक के मोसुल में आईएसआईएस के हाथों मारे गए 39 भारतीयों की शिनाख्त होनी थी। तब इराक सरकार ने भारत से इराक गये लापता रिश्तेदारों का डीएनए एक विशेष सेफ किट में मांगा था। अमृतसर की लैबों में वो सेफ किट मौजूद नहीं थी। सिर्फ हैदराबाद की सीडीएफडी लैब में ही वो सेफ किट थी। केंद्र सरकार के निर्देश पर हैदराबाद से अमृतसर तक विशेष विमान से उस सेफ किट को मंगवाया गया। जिसमें डीएनए सैंपल एकत्र कर इराक सरकार को भेजा।